B.A. (First Year) Examination,

भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य अनुवाद एवं व्याकरण

Paper SA -02

Time- 3 Hours **Max.Marks- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answer as per the given instructions.

यह प्रश्न पत्र A, B और C तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note: Answer any two questions. You have to delimit your each answer maximum 800 words. Each question carries 20 marks.

नोट : किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। 2X20=40

1. कृत्य संज्ञक प्रत्यय से क्या तात्पर्य है ? तथा ये कितने प्रकार के होते हैं ? सोदाहरण लिखिए।
2. भारतीय संस्कृति की विशेषताओं को बताते हुए आधुनिक जीवन में उसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
3. संस्कार क्या हैं ? हिन्दू जीवन के दृष्टिकोण के अनुसार उनके महत्त्व को समझाइए।

   OR (अथवा)

   विवाह क्या है ? विवाह के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

4. प्राचीन शिक्षा पद्धति में गुरु-शिष्य संबंध पर प्रकाश डालिए।

   OR (अथवा)

   महाकवि भारवि की काव्य-कला को विवेचित कीजिए।

5. अनुवाद से क्या तात्पर्य है ? अनुवाद के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।
6. प्राचीन भारत में वर्णाश्रम व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

7. संस्कार मनुष्य का सामाजीकरण करता है। व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

प्राचीनकाल के शिक्षा के प्रमुख विषयों एवं केन्द्रों का वर्णन कीजिए।

8. भारवेरर्थगौरवम् को स्पष्ट कीजिए।

OR (अथवा)

गुप्तचर के रूप में वनेचर की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

9. संस्कृति एवं सभ्यता में अन्तर बताते हुए भारतीय संस्कृति का विदेशों में प्रभाव इसे स्पष्ट कीजिए।

10. षोडश संस्कारों का विवेचन कीजिए।

11. वैदिककाल में शिक्षा का महत्त्व बताते हुए उसके उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

OR (अथवा)

दर्शन को स्पष्ट करते हुए षड् आस्तिक दर्शनों का विवेचन कीजिए।

12. किरातार्जुनीयम् का परिचय देते हुए महाकवियों में भारवि के स्थान को परिलक्षित कीजिए।

OR (अथवा)

किरातार्जुनीयम् के पात्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।